



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 65]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 30, 2002/चैत्र 9, 1924

No. 65]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 30, 2002/CHAITRA 9, 1924

अलकनंदा ग्रामीण बैंक

शुद्धिपत्र

पौड़ी, 27 फरवरी, 2002

अलकनंदा ग्रामीण बैंक ( अधिकारी और कर्मचारी ) सेवा विनियम, 2001

सं. 17/का/844.— भारत के राजपत्र सं. 218, असाधारण, भाग-III, खण्ड-4, दि. 20-8-2001 में प्रकाशित अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन किए जाते हैं :—

क्र. सं.	राजपत्र का संदर्भ	संदर्भित अध्याय	श्रुति	वांछित संशोधन
1	2	3	4	5
<b>हिन्दी माध्यम</b>				
1.	भारत का राजपत्र असाधारण भाग-III खण्ड 4 सं. 218 दि. 20-8-01 को प्रकाशित	अध्याय (ii) बिन्दु 4 (अस्थायी कर्मचारी)	वर्ष में 60 दिन से अधिक की अवधि के लिये	वर्ष में 60 दिन से अनधिक की अवधि के लिये
2.	—तदैव—	अध्याय (ii) बिन्दु 8(i) (परिबीक्षा)	जिसे नियुक्त प्राधिकारी द्वारा एक वर्ष से अधिक	जिसे नियुक्त प्राधिकारी द्वारा एक वर्ष से अनधिक
3.	—तदैव—	अध्याय (ii) बिन्दु 8 (IV)(क)(परिबीक्षा)	द्वारा छः महीने से अधिक की अवधि के लिये बढ़ाया जा सकेगा	द्वारा छः महीने से अनधिक की अवधि के लिये बढ़ाया जा सकेगा
4.	—तदैव—	अध्याय (ii) बिन्दु 10(ख)(ii)(नोटिस द्वारा सेवा की समाप्ति)	किसी कर्मचारी के मामले में तीन महीने	किसी कर्मचारी के मामले में एक महीने

1	2	3	4	5
5.	भारत का राजपत्र असाधारण भाग-III खण्ड 4 सं. 218 दि. 20-8-01 को प्रकाशित	अध्याय (ii) बिन्दु सं. 10(i)(ग) (नोटिस द्वारा सेवा की समाप्ति)	उपविनियम (ख) के भंग के मामले में	उपविनियम (i) (ख) के भंग के मामले में
6.	—तदैव—	अध्याय 4 बिन्दु सं. 27(3) (चल अचल और बहुमूल्य सम्पत्ति)	बंधक, विक्रय, उपहार या किसी अन्य रूप में	बंधक, क्रय, विक्रय, उपहार या किसी अन्य रूप में
7.	—तदैव—	अध्याय 4 बिन्दु सं. 31(3) (कुछ संघों का सदस्य बनने, हड़ताल आदि में भाग लेने पर प्रतिबंध)	निन्दा अथवा अपराध प्रेरणा के प्रतिकूल हो	निन्दा अथवा अपराध प्रेरण के प्रतिकूल हो
8.	भारत का राजपत्र असाधारण भाग-III खण्ड 4 सं. 218 दि. 20-8-01 को प्रकाशित	अध्याय (4) बिन्दु 38 (1)(ख) (VIII) (ग) स्पष्टीकरण (अधिकारी की सेवा समाप्ति) (छंटनी के भाग के रूप में)	खण्ड 1 के उपखण्ड (ii) से (iii) में	खण्ड 1 के उपखण्ड (i) से (iii) में

## English Version

1.	—do—	Chapter vii Pt. No. 68(2) (Provident fund and pension)	Conferred by section 64 of the said Act.	Conferred by section 6A of the said Act.
----	------	-----------------------------------------------------------------	------------------------------------------------	---------------------------------------------

ह./- अपठनीय

(अध्यक्ष)

[सं. ए डी बी टी/III/IV/324/01-असाधारण]